

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

ਜੰ∘ 180)

नई विल्ली, मंगलवार, मई 27, 1975/ज्येंब्ठ 6, 1897

No. 180]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 27, 1975/JYAISTHA 6, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रासंग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 26th May 1975

S.O. 231(E).—Whereas the industrial undertaking known as M/s. Britannia Engineering Company, Calcutta (Titagarh Unit) in the State of West Bengal is engaged in the Scheduled Industries, namely, Railway Rolling Stock and Tea Machinery;

And whereas the Company owning the said industrial undertaking, namely, the Britannia Engineering Company Limited is being wound up by the Calcutta High Court;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary in the interests of the general public, and in particular, in the interests of production, supply and distribution of articles relatable to the concerned scheduled industries, to investigate into the possibility of re-starting the said industrial undertaking;

And whereas on an application made by the Central Government under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1954 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for permission to make an investigation into such possibility, the Calcutta High Court has granted the permission;

Now, therefore, in excercise of the powers conferred by section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making an investigation into the possibility of re-starting the aforesaid Industrial undertaking, a body of persons consisting of:—

Chairman

(i) Shri C. R. Guha Majumdar, Secretary to the Government of West Bengal, Closed & Sick Industries Department, Calentta.

Members

- (i) Shrl R. J. Sawney, Managing Director, Jessops & Co. Ltd., Calcutta.
- (ii) General R. N. Sen, Managing Director, Braithwaites & Co. (I) Limited.
- 2. The above body shall submit its report within a period of 21 days from the date of publication of this order in the Official Gazette.

[No. F. 20-4/71-H.M. II] S. M. GHOSH, Jt. Secy.

उद्योग ग्रौर नागिरक पूर्ति मंत्राक्षय (भारी उद्योग विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1975

का॰ ग्रा॰ 231(ग्र).—यतः पिचमी बंगाल राज्य में मैससं ब्रिटेनिया इंजीनियरिंग कम्पनी, कलकता (टीटागढ़ यूनिट) के नाम से ज्ञात श्रौद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योग प्रथित् रेलवे रोलिंग स्टाक श्रीर चाय मशीन में लगा है,

श्रीर यतः उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम, श्रर्थात् ब्रिटेनिया इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी का कलकत्ता उच्च न्यायलय द्वारा परिसमापन किया जा रहा है ;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में, विशेषकर संबद्ध श्रनुसूचित उद्योगों से संबंधित घस्तुश्रों के उत्पादन पूर्ति श्रीर वितरण के हितों में उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम के पुनः श्रारम्भ करने की संभावना की जीव करने की श्रावश्यकता है;

भौर यतः केन्द्रीय सरकार द्वारा उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15क के ग्रधीन कलकत्ता उच्च न्यायलय की, ऐसी संभावना की जीच करने की श्रनुज्ञा के लिये प्रार्थना करते हुये, श्रावेदन किये जाने पर, कलकत्ता उच्च न्यायलय ने श्रनुज्ञा दे दी है;

श्रतः ग्रब उद्योग (विकास भ्रीर विनियमन) श्रिधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15क द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रशोग करते हुये केन्द्रीय सरकार पूर्वोक्त श्रीशोगिक उपक्रम के पुनः ग्रारम्भ करने की संभावना की जांच करने के प्रयोगार्थ एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होगे।

भ्रध्य**क्ष**

(i) श्री सी० द्यार० मजूमदार, सचिव, पश्चिमी बंगाल सरकार, बन्द श्रीर रूगण उद्योग विभाग, कलकत्ता ।

स्वस्य

(i) श्री श्रारं जें० सानी, प्रबंध निदेशक, जेसोप्स एण्ड कम्पनी लिमिटैड, कलकत्ता ।

- (ii) जेनरल श्रार० एन सेन, प्रबंध विदेशक, श्रेयवेट्स एंड कम्पनी (I) लिमिटेड ।
- 2. उत्तरोक्त निकाय राज्यस्त में इम आदेश के प्रकाशन की तारीख से 21 दिन की अविधि के भीतर श्रपनी रिपोर्ट देगा।

[सं॰ फा॰ 20-4/71-एच॰ एम॰ II] एस॰ ४म॰ घोष, संयुक्त सन्ति ।